विचार बिन्दु

पति के किये पत्नी कार्य में मंत्री के समान सलाह देने वाली, सेवा में दासी के समान काम करने वाली, माता के समान सुन्दर भोजन बनाने वाली, धर्म के अनुकूल और क्षमादी गुण धारण करने में पृथ्वी के समान स्थिर रहने वाली होती है। –संस्कृत सूक्ति

डरावने हैं मां और शिशुओं की मौत के आंकड़े

विश्व स्वास्थ्य संगठन का मांनना है हम पिछले एक दशक से गर्भावस्था से जुड़ी जटिलताओं के कारण होने वाली मौतों को बहुत कम कर चुके थे लेकिन 2016 के बाद इसमें फिर वृद्धि होने लगी है क्योंकि सरकारों का ध्यान इस पर कम हुआ है। संगठन के मुताबिक दुनियाभर में हर साल लगभग 3 लाख महिलाएं गर्भावस्था या प्रसव संबंधी जटिलताओं के कारण अकाल मौत की शिकार हो जाती हैं। इसी भांति 2 मिलियन से अधिक बच्चे अपने जीवन के पहले महीने में ही मर जाते हैं। अन्य 2 मिलियन बच्चे मृत पैदा होते हैं, जिनमें से कई को समय पर चिकित्सा सहायता मिलने पर बचाया जा सकता था। सबसे अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि विश्लेषण करे तो पाएंगे हर 7 सेकंड में एक रोकी जा सकने वाली मौत हो रही है। नवजात शिशु सबसे ज्या दासेंसिटिव होता है और इस दौरान बीमारी और मृत्यु का खतरा सबसे अधिक होता है। समय से पहले जन्म होने पर संक्रमण, जन्म के समय सांस की समस्या, जन्मजात बीमारियों का रिस्कर इस दौरान काफी बढ़ जाता है। महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य पर आंकड़ा जारी करते हुए कहा है कि आज भी हर 2 मिनट में प्रेग्नेंसी और डिलीवरी से संबंधित जटिलताओं के कारण एक महिला की मौत हो जाती है। यह आंकड़ा बेहद डरावना है क्योंकि आज मेडिकल साइंस ने इतनी तरक्की कर ली है कि प्रेग्नेंसी की जटिलताओं के कारण महिलाओं की मौत को आसानी से रोका जा सकता है। संगठन ने 2023 के आंकड़ों को पेश करते हुए बताया कि गर्भावस्था से जुड़ी जटिलताओं के कारण दुनिया में हर दिन 700 से ज्यादा महिलाओं की मौत होती है जो बेहद चिंता का विषय है। आंकड़े ये भी दर्शाते हैं कि आज भी दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में प्रेग्नेंसी कितनी खतरनाक है, जबकि मातृ मृत्यु के अधिकांश मामलों में जटिलताओं को रोकने और उनका उपचार करने के समाधान मौजूद हैं। इसलिए क्वालिटी मैटरल केयर तक पहुंच सुनिश्चित करने के अलावा, महिलाओं और लड़कियों के अंतर्निहित स्वास्थ्य और प्रजनन अधिकारों को मजबूत करना भी अहम होगा। ये ऐसे कारक हैं जो प्रसव के दौरान और उसके बाद उनके हेल्थ रिजल्ट्स की संभावनाओं को मजबूत करते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि निष्क्रियता कई गंभीर बीमारियों को जन्म देती है। विश्व लगातार बढ़ रही निष्क्रियता नामक महामारी का शिकार हो रहा है आरामदेह जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ, जैसे हृदय रोग और डायबीटीज, अब तक संपन्न देशों की बीमारियाँ मानी जाती थीं लेकिन संगठन का कहना है कि अब विकासशील देश भी अब इसके शिकार हो रहे हैं।

साल 1990 से लेकर 2020 के आंकड़ों को देखा जाए तो भारत की स्थिति दुनिया के औसत आंकड़े से काफी बेहतर है। हालांकि हमारी सरकार लगातार इसमें और सुधार करने की कोशिश कर रही है। मोदी सरकार की प्राथमिकता आंकड़ों को शून्य करना है। एक रिपोर्ट के अनुसार गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच से जटिलताओं का शीघ्र निदान संभव हो जाता है। पोषण, शारीरिक गतिविधि और तंबाकू और शराब जैसे हानिकारक पदार्थों से बचने पर जागरूकता कार्यक्रम जनभागीदारी से आयोजित किये जाये। मानसिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच बढ़ाई जावे, क्योंकि मातृ अवसाद और प्रसवोत्तर तनाव पर अभी भी ध्यान नहीं दिया जाता है। साथ ही प्रसव एवं डिलीवरी के दौरान कुशल स्वास्थ्य देखभाल सहायता, समय पर हस्तक्षेप सुनिश्चित किये जाये।

यह संकल्प लेने की जरुरत है की हम पीड़ित मानवता को हर खतरे से बचाने के लिए समय पर स्वास्थ्य सुविधा सुलभ करा कर स्वस्थ दुनिया के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ेंगे। हर इंसान का स्वास्थ्य अच्छा हो और बीमार होने पर हर व्यक्ति को अच्छे इलाज की सुविधा मिल सके। दुनियाभर में पोलियो, रक्ताल्पता, नेत्रहीनता, कुष्ठ, टीबी, मलेरिया और एड्स जैसी भयानक बीमारियों की रोकथाम हो सके और मरीजों को समुचित इलाज की सुविधा मिल सके और समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक बनाया जाए और उनको स्वस्थ वातावरण बना कर स्वस्थ रहना सिखाया जाए। भारत में आम तौर पर लोगों में स्वास्थ्य चेतना का अभाव है। शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति भी लोग तभी चिंतित होते हैं जब कोई रोग उन्हें ठास लेता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि निष्क्रियता कई गंभीर बीमारियों को जन्म देती है। विश्व लगातार बढ़ रही निष्क्रियता नामक महामारी का शिकार हो रहा है आरामदेह जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ, जैसे हृदय रोग और डायबीटीज, अब तक संपन्न देशों की बीमारियाँ मानी जाती थीं लेकिन संगठन का कहना है कि अब विकासशील देश भी अब इसके शिकार हो रहे हैं। विश्व भर में इन बीमारियों से हर वर्ष दो करोड़ लोगों की मौत होती है और इनमें से अस्सी प्रतिशत गरीब देशों से हैं संगठन का कहना है कि इस तरह की बीमारियाँ दौड़-भाग से रोकी जा सकती हैं स्वास्थ्य सिर्फ रोग या दुर्बलता की अनुपस्थिति ही नहीं बल्कि एक पूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक खुशहाली की स्थिति है। स्वस्थ लोग रोजमर्रा की गतिविधियों से निपटने के लिए और किसी भी परिवेश के मुताबिक अपना अनुकूलन करने में सक्षम होते हैं। रोग की अनुपस्थिति एक वांछनीय स्थिति है लेकिन यह स्वास्थ्य को पूर्णतया परिभाषित नहीं करता है। यह स्वास्थ्य के लिए एक कसौटी नहीं है और इसे अकेले स्वास्थ्य निर्माण के लिए पर्याप्त भी नहीं माना जा सकता है। लेकिन स्वस्थ होने का वास्तविक अर्थ अपने आप पर ध्यान केंद्रित करते हुए जीवन जीने के स्वस्थ तरीकों को अपनाया जाना है।

जीवन में स्वास्थ्य ही अनमोल धन है। शारीरिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन के विभिन्न क्षेत्रो में सफलता अर्जित कर सकते है। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का निवास होता है। व्यक्ति की सबसे बड़ी दौलत उसका शरीर और उसका स्वास्थ्य होता है। जीवन में स्वास्थ्य का मूल्य समझ कर ही विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना की गई थी। अत: प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के प्रति सदैव सजग रहना चाहिए।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 19 अप्रैल, 2025

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, मूल नक्षत्र दिन 10:21 तक, शिव योग रात्रि 12:52 तक, वणिज करण सायं 6:22 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-धनु, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग दिन 10:21 से आरम्भ होगा। भद्रा सायं 6:22 से आरम्भ होगी। आज सायन वृष में सूर्य रात्रि 1:26 पर प्रवेश करेगा। आज ग्रीष्म ऋतु आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:39 से 9:15 तक, चर 12:26 से 2:02 तक, लाभ-अमृत 2:02 से 5:13 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:03, सूर्यास्त 6:49

मेष

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। आज नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कन्या

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मकर

आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन

परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

तुला

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

कुंभ

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

मीन

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

समीक्षा: कहानी संग्रह ''अहसासों की इबारत''

लेखिका की इससे पहले प्रकाशित कृति 'अतीत के पन्नों से' काफी चर्चित रही है। सद्य प्रकाशित 'अहसासों की इबारत' पुस्तक के प्रकाशक हैं साहित्यगार, मुद्रक हैं शीतल प्रिंटर्स जयपुर, आवरण पृष्ठ पर पेड़ के नीचे नदी किनारे बैठी एक युवती का रंगीन चित्र है जो बहुत संजीदगी के साथ कोई पुस्तक पढ़ रही, जो पुस्तक के शीर्षक के अनुसार ही है।

पुस्तक का मूल्य रु 300 रु, जो थोड़ा ज्यादा लग सकता है, पर पढ़ने के बाद अखरेगा नहीं।

पुस्तक अमेज़न और फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध है।

शबनमी आखरों से बुनी पन्द्रह कहानियों का यह संग्रह, 'अहसासों की इबारत' आपके मन को गहराइयों तक भिगो देगा, आपको पता भी न चलेगा, कब आपकी आँखों से कुछ मोती झरे, और आपके मन के सारे क्लेश धो गए।

लेखिका रतना कौशिक की इन कहानियों में दर्द भी है और दवा भी। हकीकत की जमीं पर बोई गई और कल्पना से उकेरी गई ये कहानियाँ कभी हमें अपनी और कभी अपनों की सी लगती हैं।

यह कहानी संग्रह, साहित्य के महासागर की अमृतमयी बून्द है, साहित्य का अर्थ ही है 'हित से युक्त होना' यथा-'हितेन सह इति सहितं, तस्य भाव साहित्यं।' साहित्य का मूल तत्त्व हित-साधन है। साहित्य की कसौटी मूलत: शिवत्व अर्थात सामाजिक कल्याण है, आप इस संग्रह की हर कहानी में शिवत्व का यही मूल भाव सुगढ़ता से गुँथा हुआ पायेंगे। उपदेश की शुष्क जमीं से दूर, भावों की नमीं से उपजे ऐसे ही सृजन के लिए तुलसीदास जी ने लिखा है:–

''कीरति भनिति भूति भल सोई,सुरसरि सम सब कह हित होई।''

यानी कीर्ति, कविता, और सम्पत्ति वही उत्तम है जो गंगाजी की तरह सबका हित करने वाली हो।

इस संग्रह की पंद्रह कहानियों में से पहली आठ कहानिया स्त्री विमर्श पर आधारित है, तो अन्य सात कहानियों में से बर्फ वाली आइस्क्रीम बचपन की दोस्ती, टूट गए मोह के धागे पुत्र मोह, रिश्तों में जीवन रहने दो कोविड की विभीषिका में रिश्तों में आई विद्रूपता, अपना-अपना आईना एक लघु कथा है जिसमें समाज में बढ़ती संवेदनहीनता पर टिप्पणी की गई है। एक कतरा खुशी का दो मित्रो की कहानी है जिसमें एक मित्र अपने कंगाल हुए मित्र की शादी की 50 वीं सालगिरह धूम धाम से मनाता है। आज भी समाज में नारी को अपनी पहचान और अस्मिता बनाए रखने के लिए कठिन संघर्ष करना पड़ता है, समाज में उनके प्रति उदार दृष्टिकोण प्राय: छद्म में ही प्रतीत होता है, संग्रह की प्रथम आठ कहानियां ऐसे ही संघर्षों की रोचक कथाएं हैं, जहां कभी नायिका को विजय मिलती है तो कभी हार और कभी जीत में भी हार।

कहानि 'मेरा मायका' समाज के हीन होते नजरिए के बारे में है,जैसे कीचड़ से सनी आँखों को न कुछ साफ दिखता है न ही कुछ अच्छा, वैसे ही अपना घरबार और नौकरी छोड़ मायके में अपने माँ-बाप की सेवा करती बेटी की नीयत में उसकी सगी बहनों को बस खोट दिखा, खुद उसके माँ बाप को भी कुछ ऐसा ही लगा, सबको लगा इकलौते भाई की मृत्यु के बाद छोटी बहन ने बाप की संपत्ति पर कब्जा करने की नीयत से मायके में डेरा डाल रखा है, पर सच ये न था''।

किन्नर, हिजड़ा, हमारे समाज में गाली का पर्याय ही समझा जाता है, एक माँ जिसकी पहली संतान एक किन्नर है, पर जन्म के साथ ही बेरहम दकियानूसी समाज ने दूर कर दिया उसे अपनी इसी अभागी सन्तान से, पर वो अंतिम घड़ी तक अटकी रही उसकी साँसों में, सरकार ने भले ही किन्नरों को सब हक़ दे दिए, पर ये समाज उन्हें अपने घर परिवार का सुकूँ न दे सका, भावनाओं से ओतप्रोत कहानी ''किसी को हक़ मिला तो किसी को सुकून'' एक अन्वेषण है इसी जमीनी हक़ीक़त का।

एक धनाढ्य परिवार की महिला कैसे अपनों के ही हाथों बेबस लाचार 'चबूतरे वाली अम्मा' बन गई, दिल को झकझोर देने वाली यह कहानी है टूटती परम्पराओं और छूटते संस्कारो का प्रतिबिम्ब। वृद्धावस्था में चाहिये अपनों का प्यार, सम्मान आदर, पर अब तो आपका धन भी इसका आश्वासन नहीं दे सकता। जीवन भर माँ बाप अपनी सन्तान की उन्नति के लिये अपना सब कुछ दाँव पर लगा देते हैं, फिर भी बुढ़ापे में उनकी उपेक्षा झेलना ....समझ के बाहर है, पर यह हो रहा है, समय आ गया है, माँ-बाप अपनी सन्तान के भविष्य के लिए ही नहीं अपने भविष्य की भी सुदृढ योजना बनाये।

तोड़ दी जंजीरें बेमेल विवाद एवं तलाक की समस्या पर आधारित कथा है, सम्पन्न परिवार से आया रिश्ता आज भी मां-बाप ठुकरा नहीं पाते, ससुराल पक्ष भी शादी से पहले लड़की के खुले खाने, पहनने, ओढ़ने, घूमने-फिरने और काम करने की आजादी पर छद्म उदारता दिखाता है, लेकिन बेटे की चाह मेंकन्याभ्रूण हत्या के जघन्य अपराध से भी उन्हें गुरेज नहीं, इन्हीं यंत्रणाओं से गुजरी नायिका अपनी बेटी को बचाने के लिए शादी की जंजीरें तोड़ देती है।

संग्रह की शीर्षक कहानी अहसासों की इबारत एक अधूरी प्रेम कथा है, प्रेम मुक्कमल नहीं हो तो भी तो प्रेमी अपने-अपने जीवन में खुशहाल रह सकते हैं,

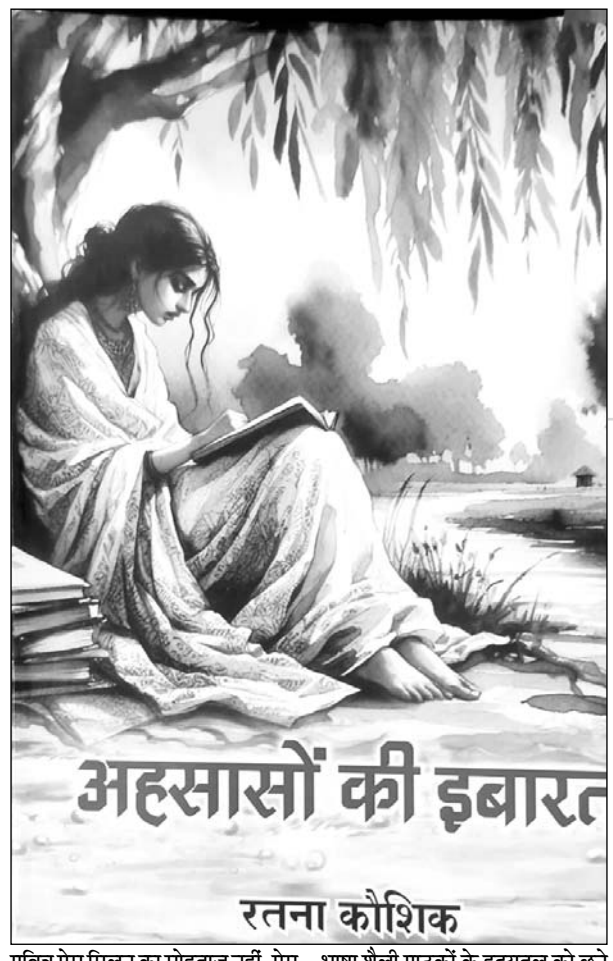

पवित्र प्रेम मिलन का मोहताज़ नहीं, प्रेम एक अहसास की इबारत है, अक्षर है जो न मरता न ही मरने देता है। 'उन्नत बीज' एक ऐसी कहानी है जो संग्रह की अन्य कहानियों से बिलकुल अलग है किसी रूपक जैसी, और इस संग्रह में अप्रासंगिक सी लगती है।

कुल मिला कर यह बेहद मन भावन एवं रोचक कहानी संग्रह है, लेखिका की सहज सरल एवं सुग्राही भाषा शैली पाठकों के हृदयतल को छूने में सक्षम है, यह संग्रह न केवल समाज का आईना है, अपितु यह समाज को दिशा भी देता है, हमारी सोच और मान्यताओं को बलवती करता है।

भावो, तत भवति यानी आप वही बन जाते हैं जो आप मानते हैं।

लेखिका–रतना कौशिक
समीक्षक: अनिल कौशिक 'विश्वमित्र'

ग्राम पंचायत नेतेवाला में आम गलियों में जाली पट्टे जारी किये, जनसुनवाई में पीड़ा बताई

- **बुजुर्ग हेतराम ने कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय जनसुनवाई में अपनी पीड़ा बताई**
- **दिसंबर 2019 में जिला प्रभारी मंत्री को भी जनसुनवाई में पीड़ा बताई थी, लेकिन आज तक न्याय नहीं मिला**

श्रीगंगानगर, (निसं)। बुजुर्ग हेतराम कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय जनसुनवाई में अपनी पीड़ा बताने आए। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत नेतेवाला का दो बार वर्ष 1978-80 व 1995 से 2000 में सरपंच भी रह चुका हूं। गांव में अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए वर्ष 2018 से लेकर आज तक कई बार जिला प्रशासन तक फरियाद कर चुका हूं। यहां तक कि 3 दिसंबर 2019 को जिला प्रभारी मंत्री को भी जनसुनवाई में अपनी पीड़ा बताई थी, लेकिन आज तक न्याय नहीं मिला है। जनसुनवाई के यही हाल रहे तो तय मानिए कि आने वाले समय में लोग फरियाद लेकर आना ही बंद हो जाएंगे, जनसुनवाई से भरोसा उठ जाएगा।

उन्होंने कलेक्टर डॉ. मंजू को बताया कि नेतेवाला में आम गलियों में जाली पट्टे बनाकर कब्जा करवा दिया गया है। प्रभारी मंत्री के निर्देश पर जांच ग्राम विकास अधिकारी द्वारा की गई थी, जो निष्पक्ष नहीं थी। इसके बाद कई बार उच्चाधिकारियों को जांच कर आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की, लेकिन न जांच हुई न कार्रवाई। ऐसे में सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि दो बार सरपंच रहे व्यक्ति को ही न्याय नहीं मिल रहा तो आम लोगों की क्या स्थिति होती होगी। 3ई छोटी को शहरी सीमा में शामिल तो कर लिया, लेकिन गंदगी उठाने कोई नहीं आ रहा। शिवनगर जन सेवा समिति का शिष्टमण्डल समिति अध्यक्ष गुरजंट सिंह के नेतृत्व में जनसुनवाई में कलेक्टर से मिला। बताया कि ग्राम पंचायत 3ई छोटी के परिसीमन के उपरांत नगर परिषद श्रीगंगानगर के क्षेत्र में सम्मिलित तो कर लिया गया। लेकिन सफाई व्यवस्था और कचरा उठाव के लिए कोई प्रयास नहीं हो रहे हैं। लिहाजा जगह-जगह गंदगी के ढेर लग चुके हैं। इस पर कलेक्टर ने नगर परिषद एक्सईएन को सफाई करवाने के निर्देश दिए।

चक 5 बी निवासी 87 साल के बुजुर्ग रिछपाल सिंह का कहना है कि उसकी कृषि भूमि मुरब्बा नंबर 20 में 15 बीघा, मुरब्बा नंबर 16 में 7 बीघा 10 बिस्वा, मुरब्बा नंबर 13 में 2 बीघा 10 बिस्वा, मुरब्बा नंबर 17 में 3 बीघा कृषि भूमि है। मुरब्बा नंबर 16,13,17 की बारी मुरब्बा नंबर 16 में एकट्ठी बंधी हुई है। जल उपभोक्ता संगम के अध्यक्ष ने प्रार्थी को नुकसान पहुंचाने के लिए बारियां अलग-अलग कर क्रमश: 13,17 व 16 में अलग-अलग कर बांध दी। ताकि उसकी बारियां और समय बर्बाद हो जाए। अधीक्षण अभियंता की ओर से भी पूर्व की भांति बारी एकट्ठा करने के आदेश दिए गए, लेकिन पालना आज तक नहीं हुई। इतना ही नहीं अध्यक्ष ने अपने पिता के लिए मुरब्बा नंबर 16 के किला नंबर 16-25 की डोली (बट) पर अतिरिक्त नाका 4 अप्रैल 2025 को स्वीकृत करवा लिया है। इस संबंध में हर स्तर पर शिकायतें की गई, लेकिन राहत आज तक नहीं मिली। लगभग ऐसी ही पीड़ा अन्य फरियादियों की थी।

जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं सतर्कता समिति की बैठक कलेक्ट्रेट के वीसी रूम में हुई। इस दौरान कलेक्टर डॉ. मंजू ने कहा मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार परिवेदनाओं का निस्तारण कर आमजन को राहत पहुंचाई जाए। जनसुनवाई में प्राप्त 120 प्रकरणों पर चर्चा की गई। वीसी के माध्यम से मुख्य सचिव सुंधाश पंत ने संपर्क पोर्टल प्रकरणों की समीक्षा करते हुए आमजन की परिवेदनाओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के बाद सतर्कता समिति की बैठक में समस्त प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि संपर्क पोर्टल पर ज्यादा अवधि तक प्रकरण लम्बित नहीं रहें। इस अवसर पर एडीएम सतर्कता रीना, जिला परिषद सीईओ गिरधर, एएसपी रामेश्वर लाल, नगर विकास न्यास सचिव अशोक असीजा, सहायक निदेशक लोक सेवाएं ऋषभ जैन, विजय कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पूर्व पार्षद सुनीता इंदौरा, कश्मीरी लाल इंदौरा, अमित खन्ना, विनोद पंवार सहित अन्य ने कलेक्टर को ज्ञापन देकर बताया कि प्रार्थी वार्ड 62 के निवासी हैं। परिसीमन पर हमें एतराज है, क्योंकि वार्ड 62 का कुछ हिस्सा काटा जा रहा है। दूसरे वार्ड का हिस्सा जोड़ने से वार्ड में सुधार कार्य में परेशान होगी। ऐसे में परिसीमांकन से पहले वार्डवासियों, पूर्व पार्षदों की बात भी सुनी जाए। अनिल कुमार बिश्नोई, सतनाम सिंह, थाना सिंह, सज्जन सिंह, बलदेव सिंह बराड़ आदि ने ज्ञापन के जरिए अवगत कराया कि ग्राम पंचायत 4 जैड के आबादी क्षेत्र में ऑफिसर कॉलोनी (मुरब्बा नंबर 69), तीन पुली को नगर परिषद से वंचित कर दिया गया। जबकि इस क्षेत्र की दूरी महज 1 किलोमीटर ही है। यूआईटी पट्टे जारी करती है। मूलभूत सुविधाएं भी निकाय से उपलब्ध करवा रहे हैं।

जेईई-मेन अप्रैल सेशन की एनटीए ने संसोधित फाइनल आंसर-की जारी की

- **17 अप्रैल की आंसर-की में दो सवालों के जवाब वापस लिए**
- **रिवाइज्ड आंसर-की में दो नए सवालों के जवाबों में बदलाव किया**

कोटा, (निसं)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से शुक्रवार दोपहर जेईई-मेन अप्रैल सेशन की रिवाइज्ड फाइनल आंसर-की जारी कर दी गई। इससे पूर्व गुरुवार को जेईई-मेन अप्रैल सेशन की आंसर-की जारी की गई थी, जिसे करीब दो घंटे बाद ही वापस ले लिया गया था। अब पुन: जारी की गई रिवाईज्ड फाइनल आंसर-की में भी 11 सवालों के जवाबों में बदलाव किया गया है।

इसमें सबसे ज्यादा फिजिक्स में 6, मैथ्स में 3 और 2 केमेस्ट्री के सवालों के जवाबों में बदलाव किए गए हैं। इनमें सबसे अधिक 5 सवालों के जवाब 3 अप्रैल को बदले गए, जिसमें 4 सवाल मॉर्निंग तथा एक सवाल इवनिंग शिफ्ट से था।

रिवाइज्ड फाइनल आंसर-की के अध्ययन के आधार पर एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. बृजेश माहेश्वरी ने बताया कि रिवाईज्ड फाइनल आंसर-की में 2 सवालों के जवाब ऐसे हैं, जो 17 अप्रैल को जारी की गई फाइनल आंसर-की में बदले गए थे, लेकिन अब उन्हें वापस ले लिया गया है। इसमें 3 अप्रैल को मॉर्निंग शिफ्ट में फिजिक्स और 4 अप्रैल को इवनिंग शिफ्ट में फिजिक्स के सवाल के जवाब में 17 अप्रैल को जारी की गई फाइनल आंसर-की में करेक्शन किया गया था, जिसे रिवाईज्ड फाइनल आंसर-की में वापस ले लिया गया। इन सवालों के जवाब बदले-2 अप्रैल को मॉर्निंग शिफ्ट में मैथ्स के सवाल के जवाब में बदलाव किया गया है।

वहीं 3 अप्रैल को मॉर्निंग शिफ्ट के फिजिक्स के सवाल को ड्रॉप किया गया, इसी शिफ्ट में फिजिक्स तथा कैमेस्ट्री के सवाल के जवाब बदले गए हैं। इसी तरह 3 अप्रैल को इवनिंग शिफ्ट मैथ्य के एक सवाल के दो जवाब का विकल्प दिया गया है। 4 अप्रैल को मॉर्निंग शिफ्ट में फिजिक्स, इसी शिफ्ट में फिजिक्स के ही एक अन्य सवाल में दो जवाबों का विकल्प दिया गया है। इसी तरह 4 अप्रैल को इवनिंग शिफ्ट में फिजिक्स के सवाल के जवाब में बदलाव किया गया है। 7 अप्रैल को मॉर्निंग शिफ्ट में मैथ्स और फिजिक्स के एक-एक सवाल के जवाब बदले गए हैं। 8 अप्रैल को इवनिंग शिफ्ट में कैमेस्ट्री के सवाल के जवाब में बदलाव किया गया है।

स्कूल शिक्षक ने मासूम बच्चे की बेरहमी से पिटाई की

- **आम के पेड़ से कच्चे आम तोड़ने पर स्कूल टीचर ने मासूम बच्चे को मारा**

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के जहाजपुर क्षैत्र के हनुमान नगर थाना क्षेत्र से एक घटना सामने आई है, जहां एक स्कूल टीचर ने आम के पेड़ से कच्चे आम तोड़ने पर एक मासूम बच्चे की बेरहमी से पिटाई कर दी। बच्चे के परिजनों का कहना है कि मारपीट इतनी क्रूर थी कि डर के मारे बच्चे की पैंट में शौच निकल गई और उसके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान भी आए हैं। पीड़ित बच्चे के पिता चैन सिंह मीणा ने हनुमान नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

उन्होंने बताया कि उनका बेटा आवासीय कॉलोनी में अपने दोस्तों के साथ क्रिकेट खेल रहा था। खेल के दौरान पास ही लगे आम के पेड़ से बच्चों ने कुछ कच्चे आम तोड़ लिए, जिससे नाराज़ होकर पास में ही रहने वाले टीचर ने उनके बेटे को पकड़ लिया और अपने घर ले जाकर बांधकर बेरहमी से पीटा। चैन सिंह का आरोप है कि पिटाई इतनी जोरदार थी कि बच्चा डर के कारण शारीरिक संतुलन खो बैठा। पुलिस को दी शिकायत में उन्होंने बताया कि बच्चे के शरीर पर गहरे चोट के निशान हैं। हनुमान नगर थाना अधिकारी गणेश राम ने जानकारी दी कि पुलिस ने मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए बच्चे का मेडिकल चेकअप कराया, जिसमें मामूली चोटें पाई गई हैं। टीचर के घर पर पुलिस की एक टीम भेजी गई थी, लेकिन आरोपी टीचर मौके पर नहीं मिला। उसके परिजनों को थाने बुलाया गया है और मामले की जांच जारी है।

पोषाहार के चावल में इल्लियां मिली, प्राथमिक स्कूल का हैड मास्टर सस्पेंड

- **डीईओ एलीमेंट्री अचानक स्कूल का निरीक्षण करने पहुंचे थे**

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के नवलगढ़ उपखंड के डूमरा गांव की राजकीय प्राथमिक विद्यालय घीसा की ढाणी के हैड मास्टर पवन कुमार को डीईओ एलीमेंट्री मनोज कुमार ढाका ने सस्पैंड कर दिया है।

जानकारी के अनुसार डीईओ एलीमेंट्री मनोज कुमार ढाका अचानक स्कूल का निरीक्षण करने पहुंचे थे। उन्होंने जब पोषाहार चैक किया तो पोषाहार के उपयोग में आने वाले गेंहू की मात्रा कम और चावल की मात्रा ज्यादा मिली, जिससे पोषाहार में पोषक आहार में अनियमितता सामने आई। इसके अलावा चावल में इल्लियां भी मिली। वहीं मिड-डे मील के वाउचर भी संदिग्ध मिले। इसके बाद जब ढाका ने स्कूल के स्टोर को खंगाला तो उनकी भी आंखें फटी की फटी रह गई। वहां पर विद्यार्थियों को बांटी जाने वाली एवीएल किट बंद कार्टून में मिली। एक कार्टून खुला हुआ मिला तो उसमें भी किट का उपयोग किया हुआ नहीं मिला। इस मामले में जब हैडमास्टर से पूछा गया तो वो संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाए। हैड मास्टर की लापरवाही यही पर खत्म नहीं हुई। स्कूल के बच्चों के लिए आई खेल सामग्री भी पैकेट बंद ही मिली। कैश बुक में पिछले एक साल से एसएमसी अध्यक्ष के साइन नहीं मिले, जबकि हर माह होने वाली बैठक के बाद कैश बुक में एसएमसी अध्यक्ष का अनुमोदन अनिवार्य है। ढेर सारी लापरवाही मिलने पर डीईओ एलीमेंट्री मनोज कुमार ढाका ने हैड मास्टर पवन कुमार को सस्पैंड कर उसका मुख्यालय सीबीईओ खेतड़ी कर दिया। डीईओ ने बताया कि यह स्कूल कक्षा एक से पांच की है। जहां पर कक्षा पांच के बच्चे परीक्षा होने के कारण नहीं थे। वहीं एक से चार तक के बच्चे पढ़ रहे थे। उन्होंने बताया कि जो अनियमितताएं मिली है। उसकी रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भिजवा दी गई है। सोमवार को जांच कमेटी बनाकर पूरे मामले, अनियमितता और लापरवाही की विस्तृत जांच करवाई जाएगी। मिड-डे मील के लिए लाए गए सामान के वाउचर भी संदेह के घेरे में है। संबंधित फर्मों से जानकारी जुटाई जाएगी।